

**Scheme of Teaching and Examination for
III Semester DIPLOMA in TEXTILE TECH. (COSTUME DESIGN & GARMENT MAKING) BRANCH**

THEORY

SL. No	SUBJECTS	SUBJECT CODE	TEACHING SCHEME		EXAMINATION SCHEME					
			Periods per Week	Periods in one Session	Hours of Exam.	Terminal Exam. (A) Marks	Final Exam. (B) Marks	Total Marks (A+B)	Pass Marks Final Exam.	Pass Marks in the Subject
1	Language and Communication Skill-II (English+Hindi)	32301	6	60	3	20	80	100	26	36
2	Sale & Marking	35302	6	75	3	20	80	100	26	36
3	Computer Programming Through C	00303	4	50	3	20	80	100	26	36
4	Garment Making tools, Machines & Repairing	35304	6	50	3	20	80	100	26	36
5	History of Dress Art	35305	4	50	3	20	80	100	26	36
Total :-			26					500		

PRACTICAL

SL. No.	SUBJECTS	SUBJECT CODE	TEACHING SCHEME		EXAMINATION SCHEME					
			Periods per Week	Periods in one Session	Hours of Exam.	Marks Internal Exam. (A)	Marks External Exam. (B)	Total Marks (A+B)	Pass Marks Final Exam.	Pass Marks in the Subject
6	Language and Communication Skill-II (English+Hindi)	32306	4	50	3	10	40	100	32	42
7	Computer Programming Through C	00307	6	60	3	10	40	50	16	21
Total :-			10					150		

SESSIONAL

SL. No.	SUBJECTS	SUBJECT CODE	TEACHING SCHEME		EXAMINATION SCHEME			
			Periods per Week	Periods in One Session	Marks of Internal Examiner (X)	Marks of External Examiner (Y)	Total Marks (X+Y)	Pass Marks in the Subject
8	Garment Making tools, Machines & Repairing)	35308	-	-	20	30	50	25
9	Language and Communication Skill-II (English+Hindi)	35309	6	50	20	30	50	25
Total :-			6				100	

Total Periods per Week	42	Total Marks	750
-------------------------------	-----------	--------------------	------------

LANGUAGE & COMMUNICATION SKILL – II (ENGLISH)

Subject Code 22301	Theory			No of Period in one session : 60		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	50
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	40
	06	00	00	Internal Exam.	:	10

Rationale:

Communication is the most important part of managerial process. It is expected by the diploma students to excel in written and oral communication and also to put up an effective presentation both in Hindi and English language.

The aim of the subject 'Language and Communication Skill-English' is to provide the theoretical knowledge for acquiring skills in effective Communication along with their higher authorities and sub-ordinates. The Course will also help to develop students personality and subsequently prepare them for a successful professional life as an office assistant / Salesman/ Library assistant/ Librarian/ Designer/ receptionist, etc. Therefore, the theory curriculum has been designed to meet the above need by bringing about an improvement in their presentation method.

Creative writing helps to enhance writing and fluency skill in any language. Writing helps to express our views directly originating from our mind. Creative Writing also enhances our verbal skills. After all, writing makes a man perfect.

Objectives:

The students will be able to –

- Develop their personality traits.
- Make them enable to understand the conversation with their higher authorities/ sub ordinates/ other persons concerned.
- Expose their personality effectively.
- Develop good relations/ contacts with different types of persons concerned.
- Develop skill of impromptu well as public speech.
- Develop writing skill.

S.No.	Topics	Periods
1.	Forms of Communication	(02)
2.	Personality Development	(03)
3.	Power of Expression	(02)
4.	Practice on polishing one`s voice	(02)
5.	Effective Communication	(02)
6.	Courtesy.	(02)
7.	Conversation on telephone	(02)
8.	Careful listening	(03)
9.	Mannerism	(03)
10.	Presentation	(03)
11.	Organising your presentation	(03)
12.	Group Discussion	(02)
13.	Extempore speech	(02)
14.	Body language	(03)
15.	Feedback	(02)
16.	Creative Writing	(03)
17.	Essay Writing	(03)
18.	Reportage	(03)
19.	Feature	(02)
20.	Personal Interview	(03)

Scheme of Examination

Oral Communication - 25
 Creative Writing - 15
 Terminal Examination - 10

 Total 50 marks

Books Recommended:

Text Books

1. Fearless and Flowless Public Speaking with power, polish and pizzaz, S.Chand & Company

LANGUAGE & COMMUNICATION SKILL – II (HINDI)

Subject Code 22301	Theory			No of Period in one session : 60		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	50
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	40
	06	00	00	Internal Exam.	:	10

ogr-vk/kkj , oa mÍ\$; %&

‘भाषा एवं संचार कला-हिन्दी’ विषय के पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को हिन्दी भाषा एवं संचार कला का महत्व समझने एवं उसमें दक्षता प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना है, जिससे छात्रा विभिन्न सरकारी एवं निजी संगठनों में व्यक्तिगत सहायक, सचिव, स्वागतकर्ता, पुस्तकालय सहायक, कम्प्यूटर प्रवर्तक या व्यावसायिक के रूप में सफल हो सकें। स्वरोजगार की ओर उन्मुख होने वाले छात्रों के लिए भी पाठ्यक्रम विशेष दक्षता प्रदान करने में सहायक है।

प्रभावशाली संचार आधुनिक युग की आवश्यकता है अतः, हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में प्रभावकारी अभिव्यक्ति की क्षमता रखना छात्रों के लिए नितान्त आवश्यक है। डिप्लोमा छात्रों से उम्मीद की जाती है उनका व्यक्तित्व विकसित हो और वे प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण की क्षमता रखते हों, अतः पाठ्यक्रम में मुख्यतः दो बातों पर बल दिया गया है-1. मौखिक संप्रेषण 2. सृजनात्मक लेखन।

पाठ्यक्रम छात्रों के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं का विकास कर उन्हें एक अच्छे वक्ता के रूप में तैयार करता है और रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित करता है ताकि वे भविष्य में अपने संपर्क में आने वाले लोगों एवं अधिनस्थों को संतुष्ट कर पाने में सक्षम हो सकें।

संचार प्रबंधन का आधार है और संचार की कला प्रबंधकीय क्षमता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। संचार कला की उपेक्षा कर कोई भी प्रबंधन सफल नहीं हो सकता। वास्तव में निर्णय लेने वाले व्यक्ति एवं उस परअमल करने वाले के बीच प्रभावशाली संचार एक महत्वपूर्ण सेतु की तरह है। प्रबंधकीय प्रक्रिया में निहित संचार के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी के साथ-साथ उपयुक्त शब्दों का चुनाव, सटीक वाक्य एवं सुघड़ शैली, सब मिल कर ही संचार को प्रभावशाली बना पाते हैं। समस्त प्रबंधकीय क्रियाएँ प्रभावशाली संचार पर निर्भर करती हैं।

भाषा के साथ शारीरिक भाषा अथवा सांकेतिक भाषा का सही समन्वय हो तो, मौखिक संप्रेषण की विश्वसनीयता एवं प्रभाव में कई गुना वृद्धि हो जाती है। छात्रों को शारीरिक भाषा के समुचित प्रयोग के तकनीक की जानकारी पाठ्यक्रम में दी गयी है जिससे वे प्रभावकारी मौखिक संप्रेषण को विकसित करने का प्रयास कर सकें। लेखन व्यक्तित्व को संपूर्णता प्रदान करता है। सृजनात्मक लेखन से संबंधित जानकारी भी पाठ्यक्रम में दी गई है ताकि छात्र अपनी रचनात्मक क्षमता के विकास का अधिकाधिक प्रयास कर सकें।

mÍ\$;

- छात्रा-छात्राओं के व्यक्तित्व-रेखा का विकास करना।
- मौखिक संप्रेषण का विकास करना।
- शारीरिक भाषा द्वारा संप्रेषण शक्ति का विकास करना।
- वाचन-कला के तकनीक की जानकारी देना।
- वाचन-कला का विकास करना।
- सृजनात्मक लेखन की पहचान करना।
- सृजनात्मक लेखन क्षमता का विकास करना।

क्रम संख्या	विषय	व्याख्यान
1.	भाषा का रूप	(02)
2.	निर्भीकता	(03)
3.	शिष्टतायुक्त वाणी	(03)
4.	शारीरिक भाव-भंगिमा युक्त भाषा	(03)
5.	प्रस्तुतीकरण	(03)
6.	हास्य एवं दृश्य द्वारा प्रस्तुतीकरण	(05)
7.	शिष्टाचार	(05)
8.	वाचन-कला	(03)
9.	श्रवण	(03)
10.	फीडबैक	(05)
11.	सृजनात्मक लेखन	(05)
12.	निबंध लेखन	(05)
13.	रिपोतार्ज लेखन	(03)
14.	फीचर लेखन	(02)

CONTENTS:

<u>fo"k; 01 &Hkk"kk cls : i</u>	[02]
01.01 मौखिक भाषा	
01.02 लिखित भाषा	
01.03 सारांश	
<u>fo"k; 02& fuHkhidr k</u>	[03]
02.01 बोलने की निर्भीकता	
02.02 श्वास-क्रिया	
02.03 उचित स्थान पर बैठाने की क्रिया	
02.04 सारांश	
<u>fo"k; 03& f'k"Vrk; Or ok.kh</u>	[03]
03.01 आवश्यकता वाणी में उतार-चढ़ाव	
03.02 दूरभाष-वार्तालाप	
<u>fo"k; 04& 'kkjhfd Hkko&Hkfxek ; Or Hkk"kk</u>	[03]
04.01 संप्रेषण में शारीरिक भाषा का प्रयोग	
04.02 नेत्रा द्वारा संचार	
04.03 सारांश	
<u>fo"k; 05& cLrqrhdj.k</u>	[03]
05.01 प्रस्तुतीकरण की तैयारी	
05.02 बोलने की तैयारी	
05.03 सारांश	
<u>fo"k; 06& gkL; , oan' ; }kjk cLrqrhdj.k</u>	[05]
06.01 प्रभावकारी दृश्य की रचना	
06.02 हास्य का प्रयोग	
06.03 प्रभावकारी परचा, पोस्टर, पम्फलेट्स की रचना	
06.04 सारांश	
<u>fo"k; 07& f'k"Vkpki</u>	[05]
07.01 व्यक्तित्व परिचय	
07.02 बोलने में शिष्टाचार	
07.03 कार्य का परिचय	
07.04 शिष्टाचार का माध्यम	
07.05 अच्छा परिचय और संतुष्टि	
07.06 वक्ता का शिष्टाचार	
07.07 सारांश	
<u>fo"k; 08& okpu&dyk</u>	[03]
08.01 प्रश्नों का प्रतिपादन	
08.02 श्रोताओं से प्रश्न लेना	
08.03 व्यापार करने का साधन	
<u>fo"k; 09& Jo.k</u>	[03]
09.01 मोहित श्रोता	
09.02 प्रभावकारी श्रवण के लिए आवश्यक संकेत	
<u>fo"k; 10& QhMcfd</u>	[05]
10.01 फीडबैक की जाँच	
10.02 फीडबैक को प्रभावकारी बनाना	

- 10.03 फीडबैक प्राप्त करना
 10.04 जाँच के द्वारा सीखना
 10.05 व्यक्तित्व का विकास

fo"k; 11& I`tukRed ys[ku

[05]

- 11.01 परिचय
 11.02 अर्थ
 11.03 क्षेत्रा, महत्व

fo"k; 12& fucak ys[ku

[05]

- 12.01 वैचारिक निबंध
 12.02 निबंध एवं अन्य विधायें
 12.03 सारांश

fo"k; 13& fji krkt ys[ku

[03]

- 13.01 निबंध एवं रिपोतार्ज
 13.02 रिपोतार्ज लेखन

fo"k; 14& Qhpj ys[ku

[02]

- 14.01 निबंध एवं फीचर
 14.02 फीचर लेखन
 14.03 सारांश

ijh{kk dk vk; kstu@vaka dk foHkk tu

ekf[kid I c'sk.k	&	25
%c'sk c' u½		
I`tukRed ys[ku	&	15
I kef; d ij{kk	&	10
%vklrfjd eW; kdu½		
dy	&	50

mi ; kxh i Lrda

1	हिन्दी वाङ्मय बीसवी शती पुस्तक मंदिर, आगरा	&	डॉ नागेन्द्र(संपादक)
2	जनसंचार: विविध आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली	&	बृजमोहन गुप्त
3	संचार और विकास, प्रकाशन विकास, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	&	श्यामाचरण दूबे
4	फीचर लेखन, प्रकाशन विकास, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	&	प्रेमनाथ चतुर्वेदी
5	अशोक के फूल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	&	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6	Fearless and Flowless Public Speaking with power, polish and pizzaz, S. Chand & Co.	&	Mary Ellen Droummonnd

SALE & MARKETING

Subject Code 35302	Theory			No of Period in one session : 75		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	100
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	80
	06	00	00	Internal Exam.	:	20

Rationale:

It is necessary for Diploma holders in C.D.G.M. to know selling price of articles prepared and demand in market.

Objective:

1. To know the cost of article
2. To know the price of article for selling in market
3. To know the market regarding demand of article prepared
4. To know how to improve quality of article to compete in the market

CONTENTS:

TOPIC: 01: CLASSIFICATION OF COST

- | | |
|--|------|
| 01.01 Elements of costing and their relationship | (10) |
| 01.02 Methods of cost reduction | (30) |
| 01.03 Methods of cost control | |
| 01.04 Meaning of perfect competition and price determination under perfect competition | (04) |

TOPIC: 02: MONOPOLY AND OLIGOPOLY

- | | |
|---|------|
| 02.01 Meaning and characteristic of monopoly | (20) |
| 02.02 Meaning and characteristic of oligopoly | (02) |
| 02.03 Pricing policies & methods | (02) |
| 02.04 Role of cost in pricing for new costume | (04) |

TOPIC: 03: MARKETING

- | | |
|---|------|
| 03.01 Concept of market research | (02) |
| 03.02 Importance of market research | (02) |
| 03.03 Sales promotions, its concept | (02) |
| 03.04 Objectives of sales promotions and its limitation | (03) |
| 03.05 Advertisement – Different media of advertisement, principles of effective advertisement, advertising in India | (06) |

TOPIC: 04: CASE STUDIES IN MARKET

- | | |
|---|------|
| 04.01 Case studies in market for different costumes | (15) |
| 04.02 Case studies in market for garments | (05) |
| 04.03 Decesion after case studies for customers and garment | (05) |

COMPUTER PROGRAMMING THROUGH C

Subject Code 00303	Theory			No of Period in one session : 50		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	100
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	80
	04	00	00	Internal Exam.	:	20

Rationale:

Computers play a vital role in present day life, more so, in the professional life of technician engineers. In order to enable the students use the computers effectively in problem solving, this course offers the modern programming language C along with exposition to various engineering applications of computers.

Objective:

The objectives of this course are to make the students able to:

- Develop efficient algorithms for solving a problem.
- Use the various constructs of a programming language viz. conditional, iteration and recursion.
- Implement the algorithms in “C” language.
- Use simple data structures like arrays, stacks and linked list solving problems.
- Handling File in “C”.

<u>S.No.</u>	<u>Topics</u>	<u>Periods</u>
01	Introduction to Programming	(03)
02	Algorithm for Problem Solving	(08)
03	Introduction to ‘C’ Language	(08)
04	Condition and Loops	(07)
05	Arrays	(07)
06	Functions	(07)
07	Structures and Unions	(04)
08	Pointers	(06)
Total :		(50)

CONTENTS:

TOPIC: 01 – INTRODUCTION TO PROGRAMMING:

The Basic Model of Computation, Algorithms, Flow-charts, Programming Languages, Compilation, Linking and Loading, Testing and Debugging, Documentation. Programming Style-Names, Documentation & Format, Refinement & Modularity.

[03]

TOPIC: 02 – ALGORITHM FOR PROBLEM SOLVING:

Exchanging values of two variables, summation of a set of numbers. Reversing digits of an integer, GCD (Greatest Common Division) of two numbers. Test whether a number is prime. Organize numbers in ascending order. Find square root of a number, factorial computation, Fibonacci sequence. Compute sine Series. Check whether a given number is Palindrome or not. Find Square root of a quadratic equation. multiplication of two matrices,

[08]

TOPIC: 03 – INTRODUCTION TO ‘C’ LANGUAGE:

- 03.01 Character set, Variable and Identifiers, Built-in Data Types, Variable Definition, Declaration, C Key Words-Rules & Guidelines for Naming Variables.
- 03.02 Arithmetic operators and Expressions, Constants and Literals, Precedence & Order of Evaluation.
- 03.03 Simple assignment statement. Basic input/output statement.
- 03.04 Simple ‘C’ programs of the given algorithms

[08]

TOPIC: 04 – CONDITIONAL STATEMENTS AND LOOPS:

- 04.01 Decision making within a program
- 04.02 Conditions, Relational Operators, Logical Perator.
- 04.03 If statement, it-else statement.
- 04.04 Loop statements
- 04.05 Break, Continue, Switch

[07]

TOPIC: 05 – ARRAYS:

What is an Array?, Declaring an Array, Initializing an Array.

[07]

One dimensional arrays: Array manipulation: Searching, Insertion, Deletion of an element from an array; Finding the largest/smallest element in array; Two dimensional arrays, Addition/Multiplication of two matrices.

TOPIC: 06 – FUNCTIONS:**[07]**

Top-down approach of problem solving, Modular programming and functions, Definition of Functions Recursion, Standard Library of C functions, Prototype of a function: Formal parameter list, Return Type, Function call, Passing arguments to a Function: call by reference; call by value.

TOPIC: 07 – STRUCTURES AND UNIONS:**[04]**

Basic of Structures, Structures variables, initialization, structure assignment, Structures and arrays: arrays of structures,

TOPIC: 08 – POINTERS:**[06]**

Concept of Pointers, Address operators, pointer type declaration, pointer assignment, pointer initialization pointer arithmetic.

Book Recommended:

1. Programming with C. Second Edition. Tata McGraw-Hill, 2000 - Byron Gottfried
2. How to solve by Computer, Seventh Edition, 2001, Prentice hall of India. - R.G. Dromey
3. Programming with ANSI-C, First Edition, 1996, Tata McGraw hill. - E. Balaguruswami
4. Programming with ANSI & Turbo C. First Edition, Pearson Education. - A. Kamthane
5. Programming with C. First Edition, 1997, Tara McGraw hill. - Venugopla and Prasad
6. The C Programming Language, Second Edition, 2001, Prentice Hall of India. - B. W. Kernighan & D.M. Ritchie
7. Programming in C, Vikash Publishing House Pvt. Ltd., Jungpura, New Delhi. - R. Subburaj
8. Programming with C Language, Tara McGraw Hill, New Delhi. - C. Balagurswami
9. Elements of C, Khanna Publishers, Delhi. - M. H. Lewin
10. Programming in C. - Stephen G. Kochan
11. Programming in C, khanna Publishers, Delhi. - B. P. Mahapatra
12. Let us C, BPB Publication, New Delhi. - Yashwant kanetkar
13. Programming in C, Galgotia Publications Pvt. Ltd. Dariyaganj, New Delhi. - Kris A. Jamsa
14. The Art of C Programming, Narosa Publishing House, New Delhi. - Jones, Robin & Stewart
15. Problem Solving and Programming. Prentice Hall International. - A.C. Kenneth
16. C made easy, McGraw Hill Book Company, 1987. - H. Schildt
17. Software Engineering, McGraw Hill, 1992. - R.S. Pressman
18. Pointers in C, BPB publication, New Delhi. - Yashwant Kanetkar

GARMENT MAKING TOOLS, MACHINES & REPAIRING

Subject Code 35304	Theory			No of Period in one session : 50		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	100
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	80
	06	00	00	Internal Exam.	:	20

Rationale:

A thorough knowledge of machines tools and machines will enable the technician the proper handling of the equipment and its care, use and durability. So, the subject gives following aspects:

1. To know about making tools and machineries.
2. Measuring tools and drafting equipments used in this trade.
3. Cutting sewing tools and other equipments used in this trade.
4. To repair and look after their machines and other tools.

Objective:

This course will enable the students to:

- handle machinery tools
- help in its care and maintenance

CONTENTS:

TOPIC 01:

- 01.01 Importance of dress
- 01.02 Fabrics for various purposes
- 01.03 Principles of tailoring – cutting, stitching & finishing.
- 01.04 Time saving devices – Hemmer, Tuches, Quilter, Ruffler, Cordin, Feet, Zig-Zagger, Embroidery plat, Needle, Electric Scissor, Electric Cutter, Tracing wheel.

TOPIC 02: MEASURING AND DRAFTING TOOLS AND EQUIPMENTS

- 02.01 Graduated square (marketed with divisions).
- 02.02 1/6” drafting square or 4 m.m. system.
- 02.03 Compass
- 02.04 Leg shaper
- 02.05 Meter
- 02.06 Measuring tape
- 02.07 Poker
- 02.08 Pencil (wooden)
- 02.09 C.P.G. measuring tape
- 02.10 Leg measuring tape
- 02.11 Chalk mitti (different colour)
- 02.12 Feet ruler
- 02.13 Brush

TOPIC 03: KNOWLEDGE OF MACHINES & TOOLS

- 03.01 Use of tools & accessories used in tailoring establishment such as needles, thimbles, scissors etc.
- 03.02 Different parts of simple sewing machine by hand operating, feet operation and meter operation. Care of the sewing machine defect.
- 03.03 Operation, cleaning, lubrication and adjustment of overlock machine.

TOPIC 04:

Knitting machine with its parts and other equipments to knitting.

TOPIC 05:

Embroidery tools and equipments.

TOPIC 06:

Tressing tools and equipments.

- 06.01 Dplex board
- 06.02 Two type of pressing table
- 06.03 Sleeve board
- 06.04 Iron
- 06.05 Brush, cup, sponge

Books Recommended:**Reference Books**

- | | | | |
|---|---|---|--|
| 1 | The Complete Dressmakers | - | Hyden P., Marshall Cavendish, London, 1976 |
| 2 | Clothing Construction Wardrobe Planning | - | Lewis S.D., Bowers G.M. & Kett E.M., The Macmillan Co., New York, 1960 |
| 3 | Clothing for Moderns | - | Erwin M.D. & Kinchen L.A., Macmillan Co., New York, 1970 |
| 4 | The Bishop Method of Cloth Construction | - | Bishop E.B. & Arch M.S., J.B. Lippincott Co., New York, 1959 |
| 5 | सिलाई मशीन निर्देश पुस्तिका | . | उषा सिलाई मशीन |

HISTORY OF DRESS ART

Subject Code 35305	Theory			No of Period in one session : 50		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	100
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	80
	04	00	00	Internal Exam.	:	20

Rationale:

This course is being introduced to impart knowledge of the history of dress as the knowledge of institutional design & costume will help a technician to develop new design. The dress art is developing under ancient, medieval and modern period, the student will study the following aspects.

1. Dress Making in ancient period likewise – India, China, Egypt etc.
2. Medieval period – India, China etc.
3. Modern period (from 1847 to the present day) – India, China etc.
4. To gain knowledge about smartness according to time and place.

Objective:

To gain knowledge and develop skill about traditional dresses – Indian and Foreigner.
To help making in new design under different circumstances.

CONTENTS:

TOPIC: 01: ORIGIN & DEVELOPMENT OF COSTUME

01.01 Origin of clothing, type of ornaments & costume used in the beginning, tattooing of skin, mutilation, portable ornaments & other types of costume, factor influencing costume, change, styles, religion location climate period, world affairs, economic & technological progresses.

TOPIC: 02: COSTUME OF ANCIENT CIVILIZATION

- 02.01 Egypt, Babylonia, Assvera, Crates, Greece, Rome, Byzantium
- 02.02 English Costume – English costume during middle ages.
- 02.03 French Costume – French costume from Renaissance (Louice 14)
- 02.04 American Costume – American costume from Colonial period to 20th century.

TOPIC: 03: NATIONAL COSTUMES OF DIFERENT COUNTRIES

03.01 China, Philipines, Thiland, Hawai, Burma, Germany, Scotland, Arabia.

TOPIC 04: INDIAN COSTUMES

04.01 Historical approach from ancient period to 20th century.
Emphasing the Mogul, British & post independence periods.

TOPIC 05: STUDY OF DIFFERENT COSTUME OF INDIA

05.01 Unity is diversity is Indian costumes. A study of Indian Sarees different types of past and present.

Related Experience:

Visits may be arranged to museum, art galleries & design centers. Collection of pictures, slides & samples as related to historic costumes.

LANGUAGE & COMMUNICATION SKILL – II (ENGLISH)

Subject Code 22306	Practical			No of Period in one session : 25		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	50
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	40
	04	00	01	Internal Exam.	:	10

Rationale :

The primary aim of the practical of the given course is to help the students put into practice the theoretical speech of communication with a view to acquiring skill of communication for communicating effectively with their higher authorities as well be helpful to develop their personality and subsequently for a successful professionals life as an office assistant/salesman/receptionist etc.

The Vocal curriculum has therefore been designed as to meet the above requirements by bringing about a important in their method of presentation. It seeks to develop the student's power of oral communication through effective use of body language. The course will bring over all improvement in their personality through constant practice.

Objectives:

The Students will be able to:

- Develop their personal traits
- Make them able to understand the conversation with their higher authorities/subordinates/other persons concerned.
- Exposure their personality effectively.
- Develop good relations/contacts with different types of persons concerned.
- Develop skill of importantly speech as well public speech.
- Develop skill of creative writing.

S.No.	Topics	Periods
01	Personal Interview	(10)
02	Group Discussion	(08)
03	Other forms of Collection or Communication	(06)
04	Personality Development	(06)
05	Debate Elocution and Entempore speech	(06)
06	Practice through mock Interviews	(04)
07	Creating Writing.	(10)
	Total :	(50)

LANGUAGE & COMMUNICATION SKILL – II (HINDI)

Subject Code 22306	Practical			No of Period in one session : 25		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	50
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	40
	04	00	01	Internal Exam.	:	10

ogr-vk/kkj , oa mĩđ ; %&

प्रस्तुत पाठ्यक्रम सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम का व्यावहारिक पक्ष है जिसमें, अभ्यास को प्रमुखता प्रदान की गयी है। सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम द्वारा प्राप्त की गयी जानकारी का मूल्यांकन इसका मुख्य उद्देश्य है जिससे छात्रों की अभ्यास क्षमता का परिचय मिल सकता है। इस पाठ्यक्रम से छात्रों को अपनी काल्पनिक और सृजनात्मक क्षमता का विकास करने में मदद मिलेगी। मौखिक संप्रेषण एवं सृजनात्मक लेखन के अभ्यास से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास संभव हो सकेगा।

mĩđ ;

पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात, छात्रा—

- मौखिक संप्रेषण के महत्व को समझ सकेंगे।
- मौखिक संप्रेषण के प्रभाव में वृद्धि कर सकेंगे।
- सृजनात्मक लेखन के क्षेत्रा एवं महत्व से परिचित होंगे।
- व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं का विकास कर सकेंगे।
- रचनात्मक क्षमता का विकास कर सकेंगे।

क्रम संख्या	विषय	व्याख्यान
1	शिष्टतायुक्त वाणी	(05)
2	दूरभाष वार्तालाप	(03)
3	प्रस्तुतीकरण	(02)
4	सृजनात्मक लेखन	(02)
5	निबंध लेखन	(02)
6	रिपोतार्ज एवं फीचर	(02)
7	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	(02)
	dy&	(50)

परीक्षा का आयोजन

मौखिक संप्रेषण (बोध प्रश्न)	—	25
सृजनात्मक लेखन	—	15
सामयिक परीक्षा	—	10
कुल		50 अंक

mi ; ksxh i q r d g

1	हिन्दी वांङ्.मय बीसवी शती, पुस्तक मंदिर, आगरा	—	डॉ नागेन्द्र (संपादक)
2	जनसंचार: विविध आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली	—	बृजमोहन गुप्त
3	संचार और विकास, प्रकाशन विकास, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	—	श्यामाचरण दूबे
4	फीचर लेखन, प्रकाशन विकास, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	—	प्रेमनाथ चतुर्वेदी
5	अशोक के फूल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	—	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6	Fearless and Flowless Public Speaking with power, polish and pizzaz, S. Chand & Co.	—	Mary Ellen Droummond

COMPUTER PROGRAMMING THROUGH 'C'

Subject Code 00307	Practical			No of Period in one session : 60		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	50
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	40
	06	00	03	Internal Exam.	:	10

CONTENTS:

List of Practicals:

1. Programming exercise on executing a C program.
2. Programming exercise on editing C program.
3. Programming exercise on defining variables and assigning values to variable.
4. Programming exercise on arithmetic and relational operations.
5. Programming exercise on arithmetic expressions and their evaluation
6. Programming on infix, postfix, transformation using stack.
7. Programs on array implementation.

Books Recommended:

- | | |
|--|--|
| <ol style="list-style-type: none"> 1. How to solve it by Computer, Prentice Hall of India, 1992. 2. The C Programming Language, Prentice Hall of India, 1989. 3. The Spirit of C Programming, Jaico Publishing House, New Delhi, 1987. 4. Application Programming in C. Macmillain International editions, 1990. 5. The Art of C Programming, Narosa Publishing House, New Delhi. 6. Problem Solving and Programming. Prentice Hall International. 7. C made easy, McGraw Hill Book Company, 1987. 8. Software Engineering, McGraw Hill, 1992. 9. Programming in C, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., Jungpura, New Delhi 10. Programming with C language, Tata McGraw Hill, New Delhi. 11. Elements of C, Khanna Publishers. Delhi 12. Programming in C 13. Programming in C, Khanna Publishers. New Delhi 14. Let us C, BPB Publication. New Delhi 15. Programming in C, Galgotia Publications Pvt. Ltd. Dariyaganj, New Delhi. | <ul style="list-style-type: none"> - R.G. Dromey. -B.W. Kernighan & D.M. Ritchie. - Cooper, Mullish - Richa'd Johnson-Baugh & Martin Kalin - Jones, Robin & Stewart - A.C. Kenneth. - H. Schildt - R.S. Pressman - R. Subburaj - C. Balaguruswami - M. H. Lewin - Stephan G. Kochan. - B.P. Mahapatra - Yashwant Kanetkar - Kris A. Jamsa |
|--|--|

LANGUAGE & COMMUNICATION SKILL – II (ENGLISH)

Subject Code 22308	Sessional			No of Period in one session :		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	25
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	15
	0			Internal Exam.	:	10

Rationale:

The Sessional curriculum of given course has therefore been so designed as to meet the requirements by bringing about an overall improvement in their way of presentation. It seeks to develop the student's power of oral and written communication through effective use of various worksheets and exercises given in the curriculum.

Objectives:

The Students will be able to:

- Develop their personal traits.
- Make them able to understand the conversation with their higher authorities/subordinates/other persons concerned.
- Exposure their personality effectively.
- Develop good relations/contacts with different types of persons concerned.
- Develop skill of importantly speech as well public speech.
- Develop skill of creative writing.

S.No.	Topics	Periods
01	Writing Effective bio-data/C.V.	(03)
02	Writing good resume, post group discussion/Interview.	(02)
03	Exercise on describe ownself.	(02)
04	Communication Profile.	(02)
05	Exercise on overcoming fears and building personal power.	(05)
06	Assessment of Voice.	(05)
07	Appearance Check list presentation.	(05)
08	Exercise on organising group discussion.	(10)
09	Practice on Written communication	(10)
	(a) Letter Writing	
	(b) Precis Writing	
	(c) Essay Writing	
	(d) Reportage Writing	
	(e) Feature Writing	
	Total :	(50)

LANGUAGE & COMMUNICATION SKILL – II (HINDI)

Subject Code 22308	Sessional			No of Period in one session :		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	25
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	15
				Internal Exam.	:	10

oḡr-vk/kkj , oa mīś ; %

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की वाचन कला और क्षमता का विकास करना है। विभिन्न अभ्यासों के द्वारा छात्र अपनी लिखित और मौखिक संप्रेषण को प्रभावशाली बना सकेंगे। समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रकाशित होने वाले विभिन्न विषयों से संबंधित लेखों का अध्ययन भी छात्रों के लिए लाभदायक होगा।

mīś ; %

पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात, छात्रा—

- कल्पना—शक्ति को विकसित कर सकेंगे।
- रचनात्मक क्षमता को विकसित कर सकेंगे।
- मौखिक संप्रेषण को अधिक प्रभावशाली बना सकेंगे।
- लेखन कौशल का परिचय दे सकेंगे।
- भाषा और शैली को पठनीय एवं रचनात्मक बना सकेंगे।

क्रम संख्या	<u>विषय</u>	<u>व्याख्यान</u>
1	व्यक्ति—परिचय	(02)
2	शिष्टाचार	(03)
3	शारीरिक भाषा	(05)
4	सामूहिक परिचर्चा , वाद—विवाद	(05)
5	निबंध लेखन	(05)
6	रिपोर्टाज	(03)
7	फीचर	(02)
8	पत्रा—पत्रिकाओं एवं विभिन्न पुस्तकों का अध्ययन dy&	(25)

i j h { k k d k v k ; k s t u

सात्रिक परीक्षा हेतु आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण एवं खेल—कूद जैसे क्षेत्रों से विषय का चयन कर, सामूहिक परिचर्चा करना, वाद—विवाद करना, निबंध, रिपोर्टाज एवं फीचर लेखन का अभ्यास करना और संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करना छात्रों के लिए अनिवार्य होगा।

GARMENT MAKING TOOLS, MACHINES & REPAIRING

Subject Code 35309	Sessional			No of Period in one session : 50		
	No. of Periods Per Week			Full Marks	:	50
	L	T	P/S	Annual Exam.	:	30
	06			Internal Exam.	:	20

Rationale:

Without the knowledge of repair and maintenance, a diploma holder is baseless. It is the indimantity that a engineer like wise supervisor. But we the lacking of self mentality and the trained learn self repairing and maintenance.

Objective:

The students learn:

- (a) Operate the machines
- (b) Adjusting the machines
- (c) Maintenance the machine

CONTENTS:

- 01 Dress making machines needles operations
- 02 Opening of shuttle case
- 03 Adjusting Hemmer
- 04 Controlling stop motion wheel
- 05 Oiling & Cleaning
- 06 Handle Operating
- 07 Adjusting thread operating
- 08 Pressure foot, needle bar adjusting
- 09 Adjustment of stitch regulating screw